अनुसंधान प्रतिवेदन क्र.

शासकीय उपयोग हेतु

अनुसूचित जनजातियों के लिये मानव विकास संकेतक

(छत्तीसगढ़ राज्य के संदर्भ में)

मार्गदर्शन : जी.एस. धनंजय
भा.प्र.से.

निर्देशन एवं सम्पादन : डॉ. टी. के. वैष्णव

प्रतिवेदन : एस.एन. श्रीवास्तव

सहयोग : डॉ. अनिल विरूलकर
कु. सरिता खलखो

छत्तीसगढ़ शासन

आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रायपुर (छ.ग.)

2010

अनुसंधान प्रतिवेदन क्र. .....

शासकीय उपयोग हेतु

अनुसूचित जनजातियों के लिये मानव विकास संकेतक
(छत्तीसगढ़ राज्य के सन्दर्भ में)

मार्गदर्शन – जी. एस. धनंजय
भा.प्र.से.

निर्देशन एवं सम्पादन – डॉ. टी. के. वैष्णव

प्रतिवेदन – एस. एन. श्रीवास्तव

सहयोग – डॉ. अनिल कुमार विरूलकर
कु. सरिता खलखो

छत्तीसगढ़ शासन
आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रायपुर (छ.ग.)

2010

अनुक्रमणिका

पृष्ट

अध्याय – एक — पृष्ठभूमि — 1–6
भूमिका, अध्ययन का उद्देश्य, अध्ययन का महत्व अध्ययन क्षेत्र, अध्ययन प्रविधि।

अध्याय – दो — जनजातीय परिचय — 7–16
छत्तीसगढ़ की अनुसूचित जन जातिः– जनसंख्या जिलावार जनजातिवार जनसंख्या, लिंग अनुपात, जनसंख्या वृद्धि दर

अध्याय – तीन — सामाजिक आर्थिक स्थिति — 17–28
सर्वेक्षित अनुसूचित जनजाति परिवारों की सामाजिक– आर्थिक स्थिति, जनजाति परिवारों की संख्या, जनजातिवार परिवारों की संख्या, जनसंख्या, आयु वर्ग अनुसार जनसंख्या, परिवार का औसत आकार, वैवाहिक स्थिति, कार्यशील एवं अकार्यशील जनसंख्या, कार्यशील जनसंख्या का व्यवसायिक वर्गीकरण।

अध्याय – चार — शिक्षा — 29–37
अनुसूचित जनजातियों में साक्षरता, जिलावार शिक्षा, आदिम जनजाति समूह में साक्षरता, जनजातिवार साक्षरता, सर्वेक्षित परिवार में साक्षरता, सर्वेक्षित परिवार में जिलावार साक्षरता, उम्र समूह अनुसार साक्षरता दर, सर्वेक्षित परिवार में शिक्षा का स्तर, जिलावार शिक्षा का स्तर, जिलावार तुलनात्मक जनजाति साक्षरता ।

अध्याय – पाँच — स्वास्थ्य — 38–39
प्रसव तथा प्रसव सुविधाएँ, जन्म के समय शिशु का वजन, रोगोपचार

अध्याय – छः — आवास, भूमि, पशुधन एवं आय — 40–46
सर्वेक्षित परिवारों की आवासीय स्थिति, भूमि धारिता, सिंचित एवं असिंचित कृषि भूमि, पशुधन, पक्षीधन, आय एवं व्यय

अध्याय – सात — आधुनिक सुविधाएँ तथा विकास संबंधी विचार — 47–48
आधुनिक सुविधाओं का उपयोग, शिक्षा, सामाजिक आर्थिक विकास, स्वास्थ्य सुविधाएं।

अध्याय – आठ — निष्कर्ष एवं सुझाव — 49–50

अध्याय – 1
अनुसूचित जनजातियों के लिए मानव विकास संकेत

1.1 पृष्ठभूमि

विश्व की लगभग 6 अरब जनसंख्या 250 से अधिक देशों में विभिन्न सामाजिक–आर्थिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक परिवेश में निवासरत है। मानव की विकास यात्रा में मानव ही मुख्य केन्द्र बिन्दु है। संसार के अनेक देशों में मानव मूल निवासी तथा सामान्य निवासी के रूप में विभाजित है, मूल निवासियों का संसार 'आदिवासी संसार' कहलाता है। प्रायः प्रत्येक देश का आदिवासी समुदाय अन्य समुदायों से विकास की दृष्टि से पिछड़ा हुआ है।

भारत के अधिकांश जनजाति क्षेत्र पहाड़ी एवं दुर्गम क्षेत्रों में स्थित हैं जहां भूमि को उर्वरता शक्ति कम है। आवागमन के साधनों का अभाव है तथा इन क्षेत्रों में विकास के संसाधनों की पर्याप्त पहुंच नहीं हो पायी है। जनजातियां भौगोलिक अलगाव की स्थिति में निवासरत है इनकी पृथक सांस्कृतिक पहचान है। आर्थिक एवं शैक्षणिक रूप से जनजातियाँ अन्य समुदायों की तुलना में पिछड़े हुये है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 342 के अंतर्गत केन्द्र सरकार द्वारा घोषित अनुसूचित जनजातियों की संख्या 697 है। इसमें से 75 अनुसूचित जनजातियों को भारत सरकार द्वारा विशेष पिछड़ेपन के आधार पर विशेष पिछड़ी जनजाति या आदिम जनजाति समूह के रूप में चिन्हित किया गया है।

भारत की कुल जनसंख्या का 8.14 प्रतिशत भाग अनुसूचित जनजातियों का है वर्ष 2001 की जनगणना अनुसार इनकी जनसंख्या 8.45 करोड़ है।

वर्ष 2001 की जनगणनानुसार छत्तीसगढ़ राज्य की कुल जनसंख्या 2.08 करोड़ है उसमें से 66.16 लाख अनुसूचित जनजाति जनसंख्या है जो राज्य को कुल जनसंख्या का 31.76 प्रतिशत है।

राज्य में मुख्यतः 31 अनुसूचित जनजातियाँ निवासरत है, इनमें से गोंड़ 56.30 प्रतिशत, कंवर 11.49 प्रतिशत, उरांव 9.76 प्रतिशत, हल्बा 4.44 प्रतिशत, भतरा 2.80 प्रतिशत है तथा शेष जनजातियों की जनसंख्या 4.71 प्रतिशत है विशेष पिछड़ी जनजातियाँ या आदिमजनजातियों की जनसंख्या कुल जनजाति जनसंख्या का 1.6 प्रतिशत है।

भारत की आजादी के उपरान्त देश का सर्वांगीण विकास करने योजना आयोग का गठन कर पंचवर्षीय योजनाओं का क्रियान्वयन किय गया। पंचवर्षीय योजनाओं में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिये पृथक से राशि बजट आबंटिन की जाती रही है।

पंचवर्षीय योजनओं की उपलब्धियों की समीक्षा करने के उपरान्त पहली बार पांचवीं पंचवर्षीय योजना अंतर्गत अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिये आदिवासी उपयोजना की अवधारणा का क्रियान्वयन किया गया तथा राज्य शासन तथा केन्द्र शासन के विभागों द्वारा आदिवासी विकास के लिये पृथक से बजट आबंटन करने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई तथा आदिवासी विकास को नई गतिशील दिशा मिली।

आदिवासी उपयोजना का निम्नानुसार लक्ष्य निर्धारित किया गया :–

(1) आदिवासियों तथा आदिवासी क्षेत्रों को सामान्य जन तथा सामान्य क्षेत्र के समकक्ष लाना।

(2) आदिवासियों के जीवन में गुणात्मक सुधार।

पांचवीं पंचवर्षीय योजना काल से दसवीं पंचवर्षीय अवधि के अन्त तक हम उक्त लक्ष्यों के अनुसार प्रगति करते रहें है किन्तु अब तक हम वह लक्ष्य पूर्ण नहीं कर सके है, इसका एक महत्वपूर्ण कारण यह है कि इस अवधि में अन्य क्षेत्र तथा अन्य समुदायों में विकास की रफ्तार जनजाति विकास की तुलना में अधिक रही है उदाहरण के लिये वर्ष 1971 की जनगणना अनुसार मध्यप्रदेश में कुल साक्षरता दर 9.63 प्रतिशत थी वह 1981 में बढ़कर 27.83 प्रतिशत हो गई। वर्ष 2001 की जनगणनानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में कुल साक्षरता दर 64.47 प्रतिशत तथा अनुसूचित जनजाति साक्षरता दर 52.06 प्रतिशत है जो पूर्व की सामान्य साक्षरता दर से बहुत अधिक होते हुये भी सामान्य साक्षरता दर से 12.41 प्रतिशत कम है। इससे यह तथ्य भी उभर कर सामने आता है कि मानव विकास संकेतक एक गतिशील धारणा है।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) अंतर्गत 1990 से मानव विकास प्रतिवेदन प्रकाशित किया जा रहा है। इसमें आर्थिक विकास की अवधारणा विस्तारित हुई है। प्रति व्यक्ति आय के अतिरिक्त मानव विकास के अन्य मानको यथा शिक्षा और स्वास्थ्य का भी इसमें समावेश किया गया है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा मानव विकास के अनेक संकेतक प्रस्तुत किये गये है। विकास के परिदृश्य का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सके, जो एक समय पर सभी राष्ट्रों पर लागू हो इस विषय पर एक महत्वपूर्ण बात यह हुई है कि सत्ता या अधिकारों का निम्न शासकीय इकाईयों को हस्तांतरण है जो विशेष रूप से भारत के लिये बहुत महत्वपूर्ण है।

यू. एन. डी. पी. के प्रयासों के तहत भारत सहित अनेक देशों ने प्रतिवर्ष देश अथवा राज्यों के लिये मानव विकास संकेतक तैयार करना शुरू कर दिया है। भारत के अनेक राज्यों में आय, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य विकास संकेतकों के आधार पर मानव विकास प्रतिवेदन तैयार किये जा रहे है। मानव विकास संकेतकों के आधार पर राज्य अथवा जिला स्तर की जानकारियों में 'कुल' का बहुधा चित्रण होता है। अनुसूचित जनजातियों के लिये अलग से उल्लेख बहुत कम मिलता है क्योंकि जनजातियों तथा जनजाति क्षेत्रों के विषय में विभिन्न विभाग अलग आंकड़े नहीं रखते है अतएव इस तरह के आंकडे एकत्र किये जाने के लिये बेहतर प्रशासनिक सहयोग तथा प्रयासों की आवश्यकता होगी।

मानव विकास के संदर्भ में डॉ. अर्मत्य सेन ने लिखा है "मानव विकास को में मूलभूत विकास के विचार से संबंधित समझता हूँ, जो मानव जीवन में समृद्धता को बढ़ाये, इसके केवल आर्थिक सम्पन्नता जिसमें वह रहता है, जो कि केवल एक भाग है"।

वर्तमान के वर्षों में विकास की अवधारणा में परिवर्तन हुआ है। पहले केवल आर्थिक विकास पर बल दिया जाता था अब यह मानव विकास पर है। संयुक्त राष्ट्र सेवा के 1990 के प्रतिवेदन में यह कहा गया है कि लोग/व्यक्ति सभी विकासों का केन्द्र होना चाहिये। लोगो को सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक स्वतंत्रता का उपभोग करना चाहिये यही मानव विकास का लक्ष्य है। छत्तीसगढ़ राज्य में अनुसूचित जनजातियों के लिये मानव विकास संकेतक निर्धारित करते समय उपर्युक्त लक्ष्य को ध्यान में रखा गया है।

भारत सरकार जनजाति कार्य मंत्रालय (आर.एवं एम. डिवीजन) नई दिल्ली का सचिव आदिमजाति कल्याण विभाग म. प्र. शासन को सम्बोधित पत्र क्रमांक एफ No. 15012/1/2005 R 8.M (TRI) दिनांक 04 सितम्बर 2006 के द्वारा यह सूचित किया गया है। मंत्रालय द्वारा राष्ट्र स्तरीय अध्ययन अर्न्तगत चयनित विषयों में से एक विषय "अनुसूचित जनजातियों के लिये मानव विकास संकेतक" है। छत्तीसगढ़ राज्य के अनुसूचित जनजातियों पर इस अध्ययन का दायित्व केन्द्र शासन द्वारा आदिमजाति अनुसंधान संस्थान, रायपुर छत्तीसगढ़ को सौंपा गया है।

1.2 अध्ययन का उद्देश्य :–

प्रस्तुत अध्ययन "अनुसूचित जनजातियों के लिये मानव विकास संकेतक" के प्रमुख उद्देश्य संक्षिप्त में निम्नानुसार है :

1. अनुसूचित जनजातियों की जनांकिकी जानकारी प्राप्त करना।
2. अनुसूचित जनजातियों की सामाजिक, शैक्षणिक स्थिति ज्ञात करना।
3. अनुसूचित जनजातियों की आर्थिक स्थिति ज्ञात करना।
4. अनुसूचित जनजातियों की स्वास्थ्य स्थिति ज्ञात करना।
5. अनुसूचित जनजातियों को उपलब्ध जन सुविधाओं का आंकलन करना।

1.3 अध्ययन क्षेत्र :–

अध्ययन हेतु राज्य में तीन जनजाति बाहुल्य जिला जशपुर, सरगुजा, कांकेर तथा जनजातीय विकास की त्वरीत प्रभाव युक्त रायपुर जिले के आदिवासी विकास खण्डों का चयन किया गया। इनमें से प्रत्येक जिले से दो जनजाति बाहूल्य विकासखण्ड तथा प्रत्येक विकासखण्ड से दो ग्रामों के शत्–प्रतिशत जनजाति परिवारों का अध्ययन किया गया है। ग्रामों के चयन में इस बात का ध्यान रखा गया है कि विकासखण्ड के चयनित दो ग्रामों में से एक ग्राम वन के समीप हो। विकासखंड मुख्यालय से 10 किमी. की दूरी तक का एक ग्राम तथा विकासखण्ड मुख्यालय से 15–20 किमी. की दूरी पर स्थित दूसरे ग्राम का अध्ययन हेतु चयन किया गया है।

अध्ययन हेतु चयनित ग्रामों का विवरण निम्नानुसार है :

क्रं.	जिला	आदिवासी विकासखण्ड	ग्राम	सर्वेक्षित जनजातीय परिवारों की संख्या
1.	2	3	4	5
1.	सरगुजा	1 अम्बिकापुर	1. बकालो	32
			2. मानिक प्रकाशपुर	57
		2. बतौली	1. देवरी	38
			2. नयाबांध	28
	उप–योग (1)	2	4	155
2.	जशपुर	1 बगीचा	1 बसाडीह	34
			2 बांसटोली	43
		2 कुनकुरी	1 वरडांड	44
			2 सराईटोली	14
	डप–योग (2)	2	4	135
3.	कांकेर	1 चारामा	1 गोलकुम्हड़ा	29
			2 खैरखेडा	33
		2 नरहरपुर	1 भैसमुडी	27
			2 मरादेव	25
	उप–योग (3)	2	4	114
4.	रायपुर	1 गरियाबंद	1 भेजराडीह	49
			2 बम्हनी	18
		2 छुरा	1 धरमपुर	44
			2 दीवना	29
	उप–योग (4)	2	4	140
	महायोग	8	16	544

1.4 अध्ययन का महत्व

अनुसूचित जनजातियों के लिये मानव विकास संकेतक का अध्ययन अनुसूचित जनजातियों के समग्र विकास के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है यह एक अभिनव प्रयास है जिसके द्वारा हम केवल अनुसूचित जनजातियों के मानव विकास संकेतक को प्रभावित करने वाले कारको तथा वस्तु स्थिति का अध्ययन कर इनमें वास्तविक विकास लक्ष्यों तक इनकी पहुँच या दूरी के विषय में तथ्यात्मक जानकारी प्राप्त कर सकते है।

जनजातियों का सामाजिक–आर्थिक एवं सांस्कृतिक जीवन जल, जंगल और जमीन पर निर्भर है। इनकी अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार कृषि है। जनजातीय कृषि सामान्यतया मानसूनी वर्षा पर आधारित होती है जिसके फलस्वरूप उत्पादन की प्रकृति अनिश्चित होती है। कृषि जोतों का लघु आकार, भूमि की उत्पादकता में कमी के बावजूद अनुसूचित जनजातियों में उन्नत बीज, खाद, कीटनाशकों तथा आधुनिक कृषि उपकरणों की मांग बढ़ी है। कृषि उपजों का उचित मूल्य मिलने लगा है। जनजातियाँ अपने जीवन में गुणात्मक सुधार लाने प्रयासरत है इससे उनके ऋण आवश्यकता में भी इजाफा हुआ है। वे उत्पादक ऋण के साथ–साथ शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अनाज आदि अनुत्पादक प्रयोजनों के लिये भी ऋण ले रहे है।

अनुसूचित जनजातियों में ऋण प्राप्ति के स्रोत एवं सीमा में बहुत बदलाव आया है। पूर्व में अनुसूचित जनजातियों के ऋण का प्रमुख स्रोत साहूकार हुआ करता था। आज जनजातीय क्षेत्रों में राष्ट्रीयकृत बैंक, वाणिज्यिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सहकारी बैंक तथा सहकारी साख समितियों का विस्तार हुआ है। जनजातियों को इन वित्तीय संस्थाओं से, जो अब उनकी पहुंच की परिधि में स्थापित है सहजता से ऋण उपलब्ध हो सकता है। यह जानना आवश्यक है, कि बैंकों तथा सहकारी समितियों जैसे वित्तीय संस्थानों की अनुसूचित जनजातियों को ऋण उपलब्ध कराने में कितनी भागीदारी है।

आदिवासी विकास का लक्ष्य जनजातियों के समग्र सामाजिक–अर्थिक विकास के अतिरिक्त उन्हें शोषण से मुक्त करना भी है। पूर्व में अनुसूचित जनजातियों को ऋण उपलब्ध कराने में साहूकारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, परन्तु अनेक स्थानों पर साहूकारी प्रथा जनजातियों के शोषण का प्रमुख माध्यम सिद्ध हुई है। साहूकारों, बैंकों तथा अन्य ऋण स्रोतों का अनुसूचित जनजातियों को ऋण उपलब्ध कराने में सहभागिता के स्पष्ट रूप से आंकलत करने यह अध्ययन महत्वपूर्ण हैं।

भारत सरकार तथा राज्य शासन द्वारा अनुसूचित जनजातियों की आर्थिक एवं व्यवसायिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तथा वित्त एवं ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराने ट्राइफेड राष्ट्रीय जाति एवं जनजाति वित्त निगम तथा अंत्यावसायी वित्त एवं विकास निगम की स्थापना की गई है।

उपर्युक्त स्थितियों में अनुसूचित जनजातियों के लिये ऋण की उपलब्धता विषय पर अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

1.5 अध्ययन अवधि

वर्ष 2007–08 की अवधि में अनुसूचित जनजातियों को ऋण की उपलब्धता का अध्ययन किया गया है।

1.6 अध्ययन विधि

प्रस्तुत अध्ययन में छत्तीसगढ़ राज्य में निवासरत अनुसूचित जनजातियों के लिये मानव विकास संकेतक विषयक अध्ययन किया गया है। उद्देश्य मूलक निर्दशन पद्धति से जिला–विकासखंण्ड तथा ग्रामों का चयन किया गया है। चयनित ग्रामों के शत प्रतिशत जनजाति परिवारों का जनगणना पद्धति से सर्वेक्षण किया गया है। तथ्यों के संकलन हेतु स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त सर्वेक्षण कार्यकर्ताओं का चयन कर उन्हें अध्ययन के लिये आवश्यक प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया गया । तत्पश्चात संयुक्त संचालक आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रायपुर के निर्देशन में सर्वेक्षण कार्य सम्पन्न किया गया।

सर्वेक्षण हेतु निम्नांकित अनुसूचियों के माध्यम से तथ्य संकलित किये गये हैं।

1. ग्राम अनुसूचीः–

   ग्राम अनुसूची के माध्यम से ग्राम की जनसंख्या, जनजाति जनसंख्या, उपलब्ध अधे संरचना तथा वित्तीय संस्थाओं की जानकारी प्राप्त की गई।

2. परिवार अनुसूचीः–

   यह अनुसूची सर्वेक्षण की प्रमुख अनुसूची है। इसके माध्यम से परिवार के सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एकत्र की गई है।

1.7 सर्वेक्षण दल

आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में अनुसंधान कर्मियों की कमी तथा सर्वेक्षण कार्य की व्यापकता को ध्यान में रखते हुये सर्वेक्षण कार्य के लिये स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त छात्रों का चयन कर उन्हें अस्थायी रूप से मानदेय पर नियुक्त किया गया तथा पूर्व उप–संचालक अनुसंधान को मानदेय पर समन्वयक नियुक्त कर संयुक्त संचालक, आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रायपुर के निर्देशन में सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किया गया। मानदेय पर निम्न व्यक्तियों की सेवाएं ली गई।

1. एस. एन. श्रीवास्तव (समन्वयक) पूर्व उपसंचालक अनुसंधान – एम. काम., एम. ए.
2. कु. सरिता खलखो (सर्वेक्षण कार्यकर्ता)–एम. ए., एम. फिल.
3. संतोष यादव (सर्वेक्षण कार्यकर्ता)– एम. ए.
4. यदुनंदन साहू (सर्वेक्षण कार्यकर्ता)– एम. ए.

अध्याय – 2
जनजातीय परिचय

2.1 1 नवम्बर 2000 को भारत के 26 वें राज्य के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य मध्यप्रदेश राज्य से विभाजित होकर अस्तित्व में आया, छत्तीसगढ़ के सात जिलों को 16 जिलों में बांटा गया। नये जिलों के आधार पर भी आंकड़े मिलने में कठिनाई हुई है विशेषकर अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के आंकड़े मिलने में विशेष कठिनाई हुई है।

छत्तीसगढ़ बने इतना कम समय हुआ है कि इससे सम्बन्धित आंकड़े मिलने में कठिनाई हुई।

छत्तीसगढ़ राज्य का नामकरण राज्य में गोंड् राजाओं द्वारा राज्य में दक्षिण से उत्तर क्षेत्र तक निर्मित 36गढ़ (किला) के कारण हुआ है मूलतः यह राज्य एक आदिवासी राज्य रहा है समय समय पर यहाँ मराठों, मुगलों, अंग्रेजों आदि शासकों का शासन रहा है। तथापि जनजाति समुदाय वन प्रान्तरों में स्वच्छन्द जीवन यापन करते रहा है।

2.2 छत्तीसगढ़ राज्य की अनुसूचित जनजातियों का आर्थिक जीवन के आधार पर वर्गीकरण

छत्तीसगढ़ की जनजातियों का परम्परागत जीविकोपार्जन का साधन कृषि, मजदूरी वनोपज संग्रहण शिकार तथा वन आधारित कुटीर उद्योग हैं । इनके आर्थिक जीवन को निम्नलिखित प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है ।

खाद्य संग्राहक व शिकारी जनजातियां

इस समूह की जनजातियां मुख्यतः कंदमूल फल, बीज जंगली भांजी का संग्रह करते हैं तथा खरगोश , हिरण, गोह, लोमडी आदि का शिकार करते हैं । इस वर्ग में बिरहोर तथा पहाडी कोरवा आते हैं।

आदिमकृषि शिकारी तथा वनोपज संग्राहक जनजातियां

इस समूह की जनजातियां जंगल में पेड़ों को काटकर व जलाकर उस भूमि पर कृषि करते हैं, इस समूह में बैगा, अबुझमाड़िया, कमार आदि जनजातियां आती हैं; वर्तमान में बेवा कृषि पर शासन द्वारा प्रतिबंध होने के कारण स्थाई कृषि करने लगे हैं ।

कृषक जनजातियां

इस समूह की जनजातियां वनोपज संग्रहण के साथ स्थायी कृषि करते हैं । इस वर्ग में गोंड, उरांव, कंवर, भतरा, बिंझवार, सवरा आदि आते हैं ।

उन्नत कृषि जनजातियां

इस वर्ग में वे जनजातियां हैं जो पूर्व में जागीरदार, मालगुजार, आदि थे ; इस समूह की जनजातियों में तंवर, राजगोंड, गोंड, हल्बा आते हैं ।

शिल्पकार जनजातियां

इस वर्ग की जनजातियाँ बांस से टोकरी, सूपा, झउहा आदि बनाते है, इस समूह में कमार, कंडरा, बैगा, सौंता, माझी, दोरला आदि आते है। शिकारी पारधी जनजाति के लोग झाड़ू, चटाई, टोकरी आदि बनाते है।

कला कौशल में संलग्न जनजातियाँ

गोंड की उपजाति परधान, किन्नरी बजाकर लोकगीत गाकर तथा ओझा गोंड डहकी बजाकर जनजातियों के घर भिक्षा मांगते हैं । खैरवार जनजाति महिलाएं खैर वृक्ष से कत्था बनाती हैं ।

2.3 भौगोलिक क्षेत्र के आधार पर वर्गीकरण

छत्तीसगढ के जनजातियों का भौगोलिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से विभक्त किया जा सकता है –

अ. उत्तरीय आदिवासी क्षेत्र

इस क्षेत्र में कोरिया, सरगुजा, जशपुर , रायगढ , कोरबा जिले के जनजातियों को शामिल किया जा सकता है ।

इस क्षेत्र में मुख्यतः उरांव, कंवर, मुण्डा, नगेसिया , कोरवा, गोंड, बैगा, बिरहोर आदि जनजातियां निवास करती है ।

ब. मध्य आदिवासी क्षेत्र

इस क्षेत्र में बिलासपुर, जांजगीर –चांपा, कोरबा, महासमुंद, रायपुर , धमतरी , दुर्ग, राजनांदगांव, कबीरधाम (कवर्धा) जिले के जनजातियो को शामिल किया जा सकता है । इस क्षेत्र में मुख्यतः गोंड, हल्बा, कमार, भूंजिया, बैगा, सवरा , बिंझवार आदि जनजातियां निवास करती है ।

स. दक्षिण आदिवासी क्षेत्र

इस क्षेत्र में दन्तेवाडा, बस्तर और कांकेर जिले के जनजातियों को शामिल किया जा सकता है । पौराणिक रूप से यह क्षेत्र दण्डकारण्य क्षेत्र कहलाता है । इस क्षेत्र में गोंड, मुरिया, माड़िया , धुरवा, हल्बा, भतरा, परजा, परधान आदि जनजातियां निवास करती है ।

छत्तीसगढ़ राज्य की अनुसूचित जनजाति जनसंख्या निम्नानुसार है–

सारणी 2.1
जनसंख्या का ग्रामीण एवं नगरीय स्वरूप
वर्ष 2001 की जनगणनानुसार

क्रमांक	विवरण	जनसंख्या					
		पुरूष		महिला		कुल	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	ग्रामीण	3106086	94.49	3158749	94.88	6264835	94.68
2	नगरीय	181248	5.51	170513	5.12	3517611	5.32
	कुल	3287334	100.00	3329262	100.00	6616596	100.00
	प्रतिशत	49.68	.	50.32	.	100.00	.

वर्ष 2001 की जनगणनानुसार छत्तीसगढ राज्य की कुल जनजाति जनसंख्या 6616596 है इसमें से 3287334 (49.68 प्रतिशत) पुरूष तथा 3329262 (50.32 प्रतिशत) महिला है । अनुसूचित जनजाति जनसंख्या का 94.68 प्रतिशत भाग ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 5.32 प्रतिशत भाग नगरीय क्षेत्रों में निवासरत है ।

सारणी 2.2
जिलावार जनजाति ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या
जनगणना 2001

क्रमांक	जिला	जनजाति जनसंख्या					
		ग्रामीण		नगरीय		कुल	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	कोरिया	235268	94.49	24772	9.53	260040	3.93
2	सरगुजा	1053644	97.86	23025	2.14	1076669	16.27
3	जशपुर	457264	97.30	12689	2.70	469953	7.10
4	रायगढ	428450	95.70	19253	4.30	447703	6.77
5	कोरबा	369070	87.90	50819	12.10	419889	6.35
6	जांजगीर चांपा	146270	95.56	6799	4.44	153069	2.31
7	बिलासपुर	366097	92.19	31007	7.81	397104	6.00
8	कवर्धा	119160	97.71	2797	2.29	121957	1.84
9	महासमुंद	224579	96.60	7906	3.40	232485	3.51
10	रायपुर	327238	89.59	38035	10.41	365273	5.52
11	दुर्ग	284766	81.64	64035	18.36	348801	5.27
12	राजनांदगांव	326051	95.42	15637	4.58	341688	5.17
13	कांकेर	357831	98.03	7200	1.97	365031	5.52
14	बस्तर	842516	97.23	23972	2.77	866488	13.10
15	दन्तेवाडा	550066	97.37	14865	2.63	564931	8.54
16	घमतरी	176565	95.18	8950	4.82	185515	2.80
	छ.ग.	6264835	94.68	351761	5.32	6616596	100.00

सारणी 2.2.1
कुल जनसंख्या से जनजाति जनसंख्या का प्रतिशत

क्रमांक	जिला	अ. ज. जा. जनसंख्या प्रतिशत
1	2	3
1	सरगुजा	16.27
2	बस्तर	13.09
3	दन्तेवाड़ा	8.54
4	जशपुर	7.10
5	रायगढ़	6.77
6	कोरबा	6.35
7	बिलासपुर	6.00
8	कांकेर	5.53
9	रायपुर	5.52
10	दुर्ग	5.27
11	राजनांदगांव	5.16
12	कोरिया	3.93
13	महासमुंद	3.51
14	धमतरी	2.80
15	जांजगीर – चांपा	2.31
16	कवर्धा	1.84

सारणी 2.2.2
नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत

क्रमांक	जिला	अ. ज. जा. जनसंख्या प्रतिशत
1	2	3
1	दुर्ग	18.36
2	कोरबा	12.10
3	रायपुर	10.41
4	कोरिया	9.53
5	बिलासपुर	7.81
6	घमतरी	4.82
7	राजनांदगांव	4.58
8	जांजगीर –चांपा	4.44
9	रायगढ	4.30
10	महासमुंद	3.40
11	बस्तर	2.77
12	जशपुर	2.70
13	दन्तेवाडा	2.63
14	कवर्धा	2.29
15	सरगुजा	2.14
16	कांकेर	1.97
	औसत	5.32

सारणी 2.3
जनजातिवार जनसंख्या, जनगणना 2001

क्रमांक	जनजाति	जनसंख्या	कुल जनजाति जनसंख्या से प्रतिशत
1	गोंड	3659384	55.31
2	कंवर	760298	11.49
3	उरांव	645950	9.76
4	हल्बा	326671	4.94
5	भतरा	185514	2.80
6	सवरा	104718	1.58
7	कोरवा	102035	1.54
8	बिंझवार	100692	1.52
9	भुईहर, भूमिया	88981	1.34
10	नगेसिया	84846	1.28
11	बैगा	69993	1.06
12	माझी	60246	0.91
13	खैरवार	58701	0.89
14	अगरिया	54574	0.82
15	मझवार	48510	0.73
16	धनवार	42172	0.64
17	खरिया	41901	0.63
18	भैना	46452	0.70
19	कमार	23113	0.35
20	कोल	16966	0.26
21	पाव	13071	0.20
22	मुंडा	12383	0.19
23	पारधी, बहेलिया	10757	0.17
24	परधान	10421	0.16
25	कोंध, खोंड	10114	0.15
26	भुंजिया	9357	0.14
27	गदवा, गदाबा	6317	0.10
28	बियार, बीयर	4403	0.07
29	साओता, सौंता	2959	0.04
30	बिरहुल, बिरहोर	1744	0.03
31	परजा	1588	0.02
32	अन्य जनजातियां	11765	0.17
	योग	6616596	100.00

लिंग अनुपातः—

वर्ष 2001 की जनणनानुसार छत्तीसगढ राज्य की अनुसूचित जनजाति जनसंख्या में लिंगानुपात 1013 है तथा शिशु लिंग अनुपात (0—6 आयु समूह) 998 है।

जिलावार जनजाति जनसंख्या में लिंग अनुपात निम्न सारणी में पदर्शित है —

सारणी 2.4
जनजाति जनसंख्या में जिलावार लिंग अनुपात

क्रमांक	जिला	लिंग अनुपात
1	2	3
1	राजनांदगांव	1051
2	दन्तेवाड़ा	1035
3	महासमुंद	1035
4	जांजगीर चांपा	1029
5	दुर्ग	1027
6	धमतरी	1022
7	बस्तर	1020
8	कांकेर	1019
9	जशपुर	1016
10	कवर्धा	1015
11	रायपुर	1014
12	रायगढ़	1012
13	बिलासपुर	1006
14	कोरबा	996
15	सरगुजा	987
16	कोरिया	971
	कुल	1013

सर्वेक्षित परिवारों में लिंग अनुपात –

सर्वेक्षित जनजाति परिवारों में लिंग अनुपात 931 पाया गया इसका जिलेवार विवरण निम्नानुसार है–

सारणी 2.5
सर्वेक्षित परिवारों में लिंग अनुपात

क्रमांक	थ्जला	सर्वेक्षित परिवारों में लिंग अनुपात
1	2	3
1	रायपुर	1000
2	जशपुर	990
3	सरगुजा	876
4	कांकेर	866

जनसंख्या वृद्धिदर

वर्ष 1991–2001 में छत्तीसगढ राज्य की जनसंख्या वृद्धिदर 18.27 प्रतिशत थी। इस अवधि में अनुसूचित जनजाति जनसंख्या वृद्धिदर 13.59 पायी गई । जिलावार अनुसूचित जनजाति जनसंख्या वृद्धि दर (1991–2001) निम्नानुसार है –

सारणी 2.6
छत्तीसगढ़ राज्य की जनसंख्या वृद्धि दर

क्रमांक	जिला	जनजाति जनसंख्या वृद्धि दर (1991–2001)		
		1991	2001	वृद्धिदर (प्रतिशत)
1	सरगुजा	897217	1076669	16.67
2	बस्तर	742799	866488	14.27
3	दन्तेवाड़ा	490505	564931	13.17
4	जशपुर	429892	469953	9.41
5	रायगढ़	392385	447703	14.09

6	कोरबा	356222	419889	17.87
7	बिलासपुर	347216	397104	14.37
8	रायपुर	331554	365273	10.17
9	कांकेर	296584	365031	23.08
10	दुर्ग	298059	348801	17.02
11	कोरिया	220360	260040	13.54
12	राजनांदगांव	293071	341688	13.66
13	धमतरी	160175	185515	12.85
14	जांजगीर–चांपा	135641	153069	14.76
15	कवर्धा	103946	121957	4.38
16	महासमुंद	222298	232485	4.38

सारणी 2.7

जिलों में ग्रामीण नगरीय जनसंख्या अनुपात
1981 तथा 1991

जिला (म.प्र.)	1981		1991	
	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी
बस्तर	93.94	6.06	92.87	7.13
रायगढ़	91.61	8.39	90.41	9.59
सरगुजा	91.31	8.69	87.96	12.04
राजनांदगांव	87.64	12.36	84.25	15.75
बिलासपुर	86.16	13.84	82.92	17.08
रायपुर	82.81	17.19	80.25	19.75
दुर्ग	68.20	31.80	64.63	35.37
म.प्र.	79.71	20.29	76.79	23.21

अध्याय – 3
सर्वेक्षित जनजाति परिवार एवं जनसंख्या

छत्तीसगढ राज्य के सरगुजा, जशपुर, कांकेर तथा रायपुर जिले के सर्वेक्षित 16 जनजाति ग्रामों की जनजाति जनसंख्या निम्नानुसार हैं –

सारणी 3.1
सर्वेक्षित ग्रामों की जनजाति जनसंख्या

कमांक	जिला	ग्राम	परिवारों की संख्या	जनजाति जन संख्या		
				पुरूष	महिला	कुल
1	सरगुजा	बकालो	32	91	96	167
		मानिक प्रकाशपुर	57	152	131	283
		देवरी	38	105	98	203
		नयाबांध	28	71	62	135
	योग (1)		150	412	367	786
	प्रतिशत			53.30	46.69	100.00
2.	जशपुर	बसाडीह	34	78	78	156
		बांसटोली	43	163	147	310
		बरडांड	44	112	125	244
		सरईटोली	14	30	36	66
	योग (2)		135	390	386	776
	प्रतिशत			50.26	49.74	100.00
3.	कांकेर	गोल कुम्हडा	29	60	54	114
		खैरखेडा	33	89	78	167
		भैंसामुडी	27	74	62	136
		मरादेव	25	67	57	124
	योग (3)		114	290	251	541
	प्रतिशत			53.60	46.40	100.00
4.	रायपुर	भेजराडीह	49	91	82	173
		बम्हनी	18	40	42	82
		धरमपुर	44	92	92	184
		दीवना	29	58	65	123
	योग (4)		140	281	281	562
	प्रतिशत			50.00	50.00	100.00
	महायोग		544	1380	1285	2665
	प्रतिशत			51.78	48.22	100.00

सर्वेक्षित 544 जनजाति परिवारों की कुल जनसंख्या 2665 है , इसमें से 1380 पुरूष (51.78 प्रतिशत) तथा 1285 महिला (48.22 प्रतिशत) है ।

रायपुर जिले में पुरूष तथा महिला जनसंख्या बराबर अनुपात में है व शेष जिलों में पुरूष जनसंख्या का आधिक्य है ।

कांकेर जिला में 53.60 प्रतिशत, सरगुजा 53.30 प्रतिशत, तथा जशपुर जिला में 50.26 प्रतिशत पुरूष जनसंख्या पायी गई ।

परिवार का आकार

परिवार के आकार का परिवार की सामाजिक –आर्थिक स्थिति पर प्रभाव होता है। परिवार के आकार से परिवार का स्वास्थ्य, परिवार की कार्यशील तथा अकार्यशील जनसंख्या का अनुमान लगाया जा सकता है । सर्वेक्षित 544 जनजाति परिवारों में परिवार का औसत आकार 4.89 सदस्य पाया गया । जशपुर जिले में परिवार की औसत सदस्य संख्या 5.74, सरगुजा जिले में 5.24, कांकेर 4.74 तथा रायपुर जिले में 4.01 सदस्य प्रति परिवार पाया गया ।

जनजातिवार परिवार की औसत आकार निम्नानुसार पाया गया :–

सारणी 3.2
परिवार का औसत आकार

क्रं.	जनजाति	परिवार की औसत आकार
1.	गोंड	4.48
2.	उरांव	5.61
3.	कमार	4.31
4.	मुण्डा	4.58
5.	कोरवा	4.03
6.	कंवर	2.33
7.	भुंजिया	2.00
8.	हल्बा	7.00

सारणी 3.3
सर्वेक्षित परिवारों की जनजातिवार जनसंख्या

क्रमांक	जनजाति	परिवारों की संख्या	जनसंख्या			
			पुरूष	महिला	कुल	प्रतिशत
1	उरांव	226	653	617	1270	47.66
2	गोंड	172	408	363	771	28.93
3	कमार	79	169	172	341	52.80
4	मुण्डा	34	79	77	156	5.85
5	कोरवा	27	62	47	109	4.09
6	कंवर	03	3	4	7	0.26
7	भुंजिया	02	3	1	4	0.15
8	हल्बा	01	3	4	7	0.26
	योग	544	1380	1285	2665	100.00
	प्रतिशत		51.78	48.22	100.00	

सर्वेक्षित जनजाति परिवारों का जिलावार विवरण निम्न सारणी में प्रदर्शित है –

सारणी 3.4
जिलावार जनजाति परिवारों की संख्या

कमांक	जनजाति	परिवारों की जिलावार संख्या					
		सरगुजा	जशपुर	कांकेर	रायपुर	कुल	प्रतिशत
1.	उरांव	125	101	–	–	226	41.8
2.	गोंड	03	–	114	55	172	31.62
3.	कमार	–	–	–	79	79	14.52
4.	मुण्डा	–	34	–	–	34	6.25
5.	कोरवा	27	–	–	–	27	4.96
6.	कंवर	–	–	–	3	03	0.55
7.	भुंजिया	–	–	–	2	02	0.37
8.	हल्बा	–	–	–	1	01	0.18
	योग	155	135	114	140	544	100.00

सर्वेक्षित परिवारों में 41.55 प्रतिशत उरांव, 31.62 प्रतिशत गोंड, 14.52 प्रतिशत कमार, 6.25 प्रतिशत मुण्डा, 4.96 प्रतिशत कोरवा तथा शेष 1.10 प्रतिशत कंवर, भुजिया तथा हल्बा जनजाति के लोग सम्मिलित है ।

आयुवर्ग अनुसार जनजाति जनसंख्या

सर्वेक्षित जनजाति परिवारों में जिलावार आयुवर्ग अनुसार जनसंख्या का विवरण निम्नानुसार हैं –

सारणी 3.5
आयु वर्ग एवं जनसंख्या

क्रं	आयुवर्ग	जनजाति जनसंख्या					
		पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
1	0–5	159	11.52	127	9	286	10.76
2	6–14	281	20.37	257	20.00	538	20.19
3.	15–21	208	15.07	206	16.03	414	15.54
4	22–35	341	24.71	308	23.97	649	24.35
5	36–50	252	18.26	247	19.22	499	18.72
6	51–60	98	7.10	95	7.39	193	7.24
7	60 से अधिक	41	2.97	45	3.50	86	3.83
	योग	1380	100.00	1285	100.00	2665	100.00

6 वर्ष से कम आयुवर्ग की जनसंख्या 10.73 प्रतिशत है। शाला जाने योग्य आयु वर्ग, 6–14 वर्ष आयुवर्ग में 20.19 प्रतिशत व्यक्ति हैं ।

नवयुवक आयुवर्ग, 15–21 वर्ष आयुवर्ग में 15.54 प्रतिशत व्यक्ति, युवा वर्ग, 22 से 35 वर्ष में 24.35 प्रतिशत, अधेड़ आयुवर्ग, 36–50 वर्ष में 18.72 प्रतिशत, 51 से 60 वर्ष आयुवर्ग में 7.24 प्रतिशत तथा 60 वर्ष से अधिक आयुवर्ग में 3.83 प्रतिशत व्यक्ति हैं ।

सरगुजा, जशपुर, कांकेर तथा रायपुर जिले के सर्वेक्षित जनजाति परिवारों का आयुवर्ग अनुसार जनसंख्या वितरण निम्नानुसार है –

सारणी 3.6

सरगुजा जिले के सर्वेक्षित परिवारों की आयुवर्ग अनुसार जनसंख्या

कमांक	आयुवर्ग	जनसंख्या					
		पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	0–5	55	13.13	32	8.72	87	11.07
2	6–14	110	26.25	104	2834	214	27.23
3	15–21	64	15.27	46	12.53	110	13.99
4	22–35	89	21.24	88	23.98	177	22.52
5	36–50	66	15.75	68	18.53	134	17.05
6	51–60	25	5.97	22	5.99	47	5.98
7	60 से अधिक	10	2.39	07	1.91	17	2.16
	योग	419	100.00	367	100.00	786	100.00

सारणी 3.7
जिला जशपुर – आयुवर्ग अनुसार जनसंख्या

क्रमांक	आयुवर्ग	जनसंख्या					
		पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	0–5	35	8.97	44	11.39	79	10.18
2	6–14	63	16.16	55	14.25	118	15.21
3	15–21	54	13.85	61	15.80	115	14.82
4	22–35	95	24.36	90	23.32	185	23.84
5	36–50	83	21.20	73	18.92	156	20.11
6	51–60	42	10.77	40	10.36	82	10.56
7	60 से अधिक	18	4.61	23	5.96	41	5.28
	योग	390	100.00	386	100.00	776	100.00

सारणी 3.8
जिला कांकेर – आयुवर्ग अनुसार जनसंख्या

क्रमांक	आयुवर्ग	जनसंख्या					
		पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	0–5	28	9.66	15	5.97	43	7.95
2	6–14	42	14.48	36	14.34	78	14.42
3	15–21	50	17.24	52	20.72	102	18.85
4	22–35	78	26.90	63	25.10	141	26.06
5	36–50	64	22.07	58	23.11	122	22.55
6	51–60	21	7.24	20	7.97	41	7.58
7	60 से अधिक	7	2.41	7	2.79	14	2.59
	योग	290	100.00	251	100.00	541	100.00

सारणी 3.9
जिला रायपुर – आयुवर्ग अनुसार जनसंख्या

क्रमांक	आयुवर्ग	जनसंख्या					
		पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	0–5 वर्ष	41	14.59	36	12.81	77	13.70
2	6–14	66	23.49	62	22.06	128	22.78
3	15–21	40	12.23	47	16.73	87	15.48
4	22–35	79	28.11	67	23.84	146	25.98
5	36–50	39	13.88	48	17.08	87	15.48
6	51–60	10	3.56	13	4.63	23	4.09
7	60 से अधिक	6	2.14	8	2.85	14	2.49
	योग	281	100.00	281	100.00	562	100.00

सरगुजा, जशपुर, कांकेर और रायपुर जिले में सर्वेक्षित जनजाति परिवारों का आयुवर्ग अनुसार जनसंख्या का तुलनात्मक विवरण निम्नानुसार है।

सारणी 3.10
जिलों में आयुवर्ग अनुसार जनसंख्या का विवरण

क्रं.	जिला	आयुवर्ग (जनसंख्या प्रतिशत में)			
		0–5	6–14	22–35	60 से अधिक
1	सरगुजा	11.07	27.23	22.52	2.16
2	जशपुर	10.18	15.21	23.84	5.28
3	कांकेर	7.95	14.42	26.06	2.59
4	रायपुर	13.70	22.78	25.98	2.49

जनजातियों की वैवाहिक आयु

स्त्री–पुरूष की विवाह आयु उसके दाम्पत्य जीवन तथा शैक्षणिक व्यवहार को तथा कार्यशीलता को प्रभावित करती है । बाल विवाह समाज में कुप्रथा के रूप में अब भी कुछ अंशों में प्रचलित है । अतः बाल विवाह को अवैध करार करते हुए। शासन द्वारा स्त्री–पुरूष की न्यूनतम विवाह आयु कमशः 18 वर्ष तथा 21 वर्ष निर्धारित की गई है ।

सारणी 3.11

सर्वेक्षित जनजाति परिवारों के सदस्यों की वैवाहिक आयु

क्रं.	आयु वर्ग	जनसंख्या					
		पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	13 वर्ष से कम	1	0.16	20	2.88	21	1.57
2	13 वर्ष	4	0.62	44	6.33	48	3.60
3	14 वर्ष	12	1.88	74	10.65	85	6.37
4	15 वर्ष	18	2.81	77	11.08	95	7.12
5	16 वर्ष	30	4.69	126	18.13	156	11.70
6	17 वर्ष	46	7.19	100	14.39	146	10.94
7	18 वर्ष	88	13.75	107	15.40	195	14.62
8	19 वर्ष	61	9.53	55	7.91	116	8.70
9	20 वर्ष	125	19.53	39	5.61	164	12.29
10	21 वर्ष	69	10.78	14	2.01	83	6.22
11	21 वर्ष से अधिक	186	29.06	39	5.61	225	16.87
	योग	640	100.00	695	100.00	1334	100.00

13 वर्ष कम आयुवर्ग के 0.16 प्रतिशत पुरूष तथा 2.88 प्रतिशत विवाह सूत्र में आबद्ध पायी गई। 18 वर्ष स कम आयु वर्ग की 63.46 प्रतिशत महिलाएं तथा 21 वर्ष से कम आयुवर्ग के 60.16 प्रतिशत पुरूष विवाहित पाये गये । इससे स्पष्ट है कि अभी भी जनजाति समाज में कम आयु में विवाह को प्राथमिकता प्राप्त है ।

सारणी 3.12
वैवाहिक उम्र (जिला – सरगुजा)

क्रमांक	आयुवर्ग	विवाहित जनसंख्या					
		पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	13 से कम	0	0.00	2	1.04	02	0.53
2	13–14	01	0.55	37	19.17	38	10.13
3	15–16	15	8.24	69	35.75	84	22.40
4.	17	18	9.89	31	16.06	49	13.07
5	18	32	17.58	28	14.50	60	16.06
6	19–20	69	37.91	20	10.36	89	23.73
7	21	22	12.09	02	1.04	24	6.40
8	21 से अधिक	25	13.74	04	2.08	29	7.73
	योग	182	100.00	193	100.00	375	100.00

सारणी 3.13
वैवाहिक उम्र (जिला – जशपुर)

क्रमांक	आयुवर्ग	विवाहित जनसंख्या					
		पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	13 से कम	0	0.00	2	1.10	02	0.54
2	13–14	3	1.64	20	10.99	23	6.30
3	15–16	8	4.37	57	31.32	65	17.80
4	17	14	7.65	20	10.99	34	9.31
5	18	27	14.75	31	17.03	58	15.89
6	19–20	39	21.31	28	15.38	59	16.16
7	21	20	10.93	07	3.85	27	7.38
8	21 से अधिक	72	39.34	27	14.83	99	27.12
	योग	183	100.00	182	100.00	365	100.00

सारणी 4.13
वैवाहिक उम्र (जिला – कांकेर)

क्रमांक	आयुवर्ग	विवाहित जनसंख्या					
		पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	13 से कम	0	0.00	0	0.00	0	0.00
2	13–14	1	0.68	18	11.61	19	6.31
3	15–16	3	2.05	40	25.81	43	18.29
4	17	5	3.42	30	19.35	35	11.63
5	18	14	9.59	27	17.42	41	13.62
6	19–20	36	24.66	28	18.06	64	21.26
7	21	21	14.38	03	1.93	24	7.97
8	21 से अधिक	65	44.52	07	4.52	72	23.92
	योग	146	100.00	155	100.00	301	100.00

सारणी 3.15
वैवाहिक उम्र (जिला – रायपुर)

क्रमांक	आयुवर्ग	विवाहित जनसंख्या					
		पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	13 से कम	0	0.00	14	9.03	14	4.93
2	13–14	11	8.53	43	27.74	54	19.01
3	15–16	22	17.05	37	23.87	59	20.77
4	17	9	6.98	19	12.26	28	9.86
5	18	15	11.62	21	13.55	36	12.68
6	19–20	42	32.56	18	11.61	60	21.13
7	21	6	4.65	2	1.29	8	2.82
8	21 से अधिक	24	18.60	1	0.65	25	8.80
	योग	129	100.00	155	100.00	284	100.00

कार्यशील जनसंख्या

समाज की आर्थिक स्थिति व ऋणग्रस्तता या बचत की स्थिति उस समाज के कार्यशीलता पर निर्भर करती है सर्वेक्षिति परिवारों में कार्यशीलता निम्नानुसार पाई गई।

सारणी 3.16
जनजाति कार्यशील एवं अकार्यशील जनसंख्या

क्र.	जिला	कार्यशील						अकार्यशील					
		पुरूष	प्रति.	महिला	प्रति.	कुल	प्रति.	पुरूष	प्रति.	महिला	प्रति.	कुल	प्रति.
1	सरगुजा	185	44.15	181	49.32	366	46.56	234	55.85	186	50.68	420	53.44
2	जशपुर	225	57.69	203	52.59	428	55.15	165	42.31	183	47.41	348	44.85
3	कांकेर	194	66.90	174	69.32	368	68.02	96	33.10	77	30.68	173	31.98
4	रायपुर	169	60.14	178	63.35	347	61.74	112	39.86	103	36.65	215	38.26
5	योग	773	56.01	736	57.28	1509	56.62	607	43.99	549	42.72	1156	43.38

जिलावार सर्वेक्षित परिवारों की कुल जनसंख्या में से 43.38 प्रतिशत कार्यशील तथा 56.62 प्रतिशत अकार्यशील जनसंख्या है । पुरूष एवं महिला कार्यशील जनसंख्या में मात्र 1.27 प्रतिशत का अन्तर है । इससे स्पष्ट है कि जनजाति अर्थ व्यवस्था में महिलाओं की सहभागिता अत्यन्त महत्वपूर्ण है। महिलाओं का कृषि योग में योगदान विशेष महत्वपूर्ण है ।

पुरूषों में कार्यशीलता कांकेर जिले में (68.02 प्रतिशत) तथा रायपुर 61.74 प्रतिशत जिले में कार्यशील जनसंख्या का अनुपात अधिक है । जशपुर जिले में 55.15 प्रतिशत जनसंख्या कार्यशील है, जबकि सरगुजा में न्यूनतम 46.56 प्रतिशत कार्यशील जनसंया पायी गई ।

महिला कार्यशील जनसंख्या के अन्तर्गत कांकेर जिले में 69.32 प्रतिशत, रायपुर 63.35 प्रतिशत, जशपुर 52.59 प्रतिशत तथा सरगुजा जिले में 49.32 प्रतिशत महिला कार्यशील जनसंख्या है ।

आजीविका

आजीविका के स्त्रोत परिवार के आय बचत या ऋण की स्थिति को प्रभावित करती है। सर्वेक्षित परिवारों का व्यावसायिक विवरण निम्नानुसार है:–

सारणी 3.17

सर्वेक्षित परिवारों की कार्यशील जनसंख्या का व्यावसायिक वर्गीकरण

क्रमांक	जिला	कार्यशील व्यक्तियों की संख्या						
		कृषि	कृषि श्रमिक	अन्य श्रमिक	नौकरी	व्यवसाय	अन्य	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	सरगुजा	226	104	20	3	0	13	366
	प्रतिशत	61.75	28.42	5.46	0.82	0.00	3.55	100.00
2	जशपुर	370	24	6	9	5	14	428
	प्रतिशत	86.45	5.61	1.40	2.10	1.17	3.27	100.00
3	कांकेर	326	27	2	2	0	11	368
	प्रतिशत	88.59	7.34	0.54	0.54	0.00	2.99	100.00
4	रायपुर	169	142	16	5	0	15	347
	प्रतिशत	48.71	40.92	4.61	1.44	0.00	4.32	100.00
	योग	1091	297	44	19	5	53	1509
	प्रतिशत	72.30	19.68	2.92	1.26	0.33	3.51	100.00

1509 कार्यशील व्यक्तियों में 72.30 प्रतिशत कृषक, 19.68 प्रतिशत कृषि श्रमिक, 2.92 प्रतिशत अन्य श्रमिक, 1.26 प्रतिशत नौकरी, 0.33 प्रतिशत व्यवसाय तथा शेष 3.51 प्रतिशत कार्यशील व्यक्ति अन्य व्यवसायों में कार्यरत हैं ।

सर्वाधिक कृषि कार्य में संलग्न व्यक्तियों की संख्या 88.59 प्रतिशत कांकेर जिले में है । रायपुर जिला में कृषकों की संख्या न्यूनतम 48.71 प्रतिशत है। इस स्थिति का मुख्य कारण रायपुर जिले के सर्वेक्षित परिवारों में कमार विशेष पिछडी जनजाति का ग्राम में निवासरत जनजाति गोंड, कंवर, भुंजिया के खेतों में कृषि श्रमिक के रूप में कार्य करना है ।

छत्तीसगढ राज्य में सर्वेक्षित ग्रामों में प्रतिवेदन का विश्लेषण करने पर यह ज्ञात हुआ कि केवल 18.3 प्रतिशत ग्रामीणों के पास वर्षपर्यंत रोजगार उपलब्ध रहती है तथा 81.8 प्रतिशत ग्रामीणों के पास केवल सीमित समय के लिये रोजगार उपलब्ध होता है ।

अधिकांश परिवारों को जीवन यापन का संतोषजनक स्तर उपलब्ध नहीं है , लगभग एक चौथाई परिवार ही अपने जीवन यापन के संसाधनों से संतुष्ट है ।

अध्याय – 4
शिक्षा

आज शिक्षा का अर्थ औपचारिक शिक्षा से है जो शालाओं में शिक्षकों द्वारा अध्यापित किया जाता है ।

शिक्षा के प्रचार प्रसार तथा गुणात्मक शिक्षा के विकास के संबंध में शिक्षा नीति अन्तर्गत अनेक उपाय किये गये हैं ।

अनुसूचित जनजाति बालक बालिकाओं की शिक्षा हेतु राज्य शासन द्वारा छात्रवृत्ति, विशेष छात्रवृत्ति, शिक्षा परिसर, आदर्श विद्यालय छात्रावास, आश्रमशाला, मध्यान्ह भोजन, शालागणवेश निःशुल्क पाठय पुस्तक आदि योजनाएं संचालित की जा रही है ।

शिक्षा मानव विकास तथा जनजाति विकास के लिये भी समान रूप से अत्यन्त आवश्यक उपकरण है । प्रस्तुत अध्याय में औपचारिक शिक्षा पर ही मुख्य रूप से विचार किया गया है ।

छत्तीसगढ़ राज्य में जनजाति शिक्षा साक्षरता की स्थिति निम्नानुसार है :–

सारणी 4.1
साक्षर अनुसूचित जनजाति व्यक्ति

वर्ष 2001 की जनगणना

कमांक	विवरण	साक्षर व्यक्ति	साक्षरता दर
1	पुरूष	1750602	65.00
2	महिला	1076084	39.30
3	कुल	2826686	52.10

वर्ष 2001 की जनगणनानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में जिलावार जनजाति साक्षरता की स्थिति निम्नानुसार है –

सारणी 4.2

क्रमांक	जिला	साक्षरता दर		
		कुल	पुरूष	महिला
1	2	3	4	5
1	कांकेर	76.7	78.7	56.3
2	जशपुर	61.91	73.0	51.0
3	कोरिया	51.86	65.8	37.5
4	कोरबा	49.73	65.7	33.7
5	सरगुजा	48.28	60.8	35.6
6	बस्तर	36.13	47.4	23.1
7	दन्तेवाड़ा	21.75	30.4	13.4
8	राजनांदगांव	75.05	85.2	65.4
9	दुर्ग	73.28	85.3	61.6
10	धमतरी	68.30	81.8	55.1
11	रायगढ़	60.31	74.9	45.9
12	रायपुर	57.01	73.3	41.0
13	बिलासपुर	52.05	68.7	35.5
14	महासमुंद	60.03	75.0	45.0
15	जांजगीर–चांपा	57.04	75.0	39.6
16	कवर्धा	44.04	59.0	29.7
	राज्य (जनजाति) साक्षरता	52.06	65.0	39.3

छत्तीसगढ़ की विशेष पिछड़ी जनजातियों में साक्षरता की दर सर्वेक्षण 2005 के अनुसार निम्नानुसार है –

सारणी 4.3
आदिम जनजाति समूहों में साक्षरता दर

क्रमांक	आदिम जनजाति समूह	साक्षरता प्रतिशत		
		पुरूष	महिला	कुल
1	2	3	4	5
1	बैगा	45.7	32.28	39.20
2	बिरहोर	31.51	17.57	24.37
3	कमार	47.46	27.03	37.18
4	अबुझमाड़िया	–	–	–
5	पहाड़ी कोरबा	28.10	21.17	19.25
	औसत			24.71

सारणी 4.4
जनजाति साक्षरता दर

वर्ष 2001 की जनगणना

क्रमांक	जनजाति	जनजाति साक्षरता प्रतिशत		
		पुरूष	महिला	कुल
1	2	3	4	5
1	हल्बा / हल्बी	85.28	63.30	74.06
2	उरांव	72.57	51.98	62.24
3	सवर, सवरा	76.32	46.88	61.95
4	परधान, पथारी	76.11	47.10	61.26
5	कंवर, कवर	76.58	45.56	60.99
6	कौंध, खोंड	75.69	46.38	60.60
7	बियार, बीयार	72.44	41.45	57.07
8	मुंडा	70.25	43.38	57.02
9	बिंझवार	69.80	37.51	53.57
10	पाव	68.81	37.94	53.34
11	खरिया	65.02	39.59	52.00
12	मैना	67.99	34.64	51.35
13	खैरवार,	67.17	35.19	51.26
14	परजा	62.67	38.91	50.71
15	गदबा, गदाबा	65.86	33.22	49.22
16	गोंड एवं उपजातियां	62.05	36.56	49.17
17	कोल	63.55	33.19	48.56
18	नगेसिया	60.57	33.96	47.33
19	भुंजिया	62.36	28.89	54.16

20	कोलम	54.86	29.21	42.16
21	भुईहर, भूमिया	53.36	29.74	41.63
22	माझी	52.37	25.59	39.02
23	अगरिया	51.76	25.92	38.80
24	भतरा	52.64	23.55	38.02
25	पारधी, बहेलिया	48.35	27.63	38.05
26	कोरवा	42.54	23.10	32.32
27	कमार	43.05	21.88	32.26
28.	बैगा	43.87	18.68	31.36
29	धनवार	42.36	19.14	30.80
30	मझवार	40.47	17.52	29.04
31	साऔंता , सौंता	38.77	19.03	28.58
32	बिरहुल , बिरहोर	35.43	14.84	25.25

सारणी 4.5
सर्वेक्षित परिवार में शिक्षा साक्षरता

क्रमांक	जिला	साक्षर / निरक्षर	पुरूष	महिला	कुल
1	सरगुजा	साक्षर	226	145	371
		निरक्षर	134	184	318
		कुल	360	329	689
		साक्षरता प्रतिशत	62.78	44.07	53.85
2	जशपुर	साक्षर	285	242	527
		निरक्षर	72	107	179
		कुल	357	349	706
		साक्षरता प्रतिशत	78.83	69.34	74.64
3	कांकेर	साक्षर	190	128	318
		निरक्षर	78	112	190
		कुल	268	240	508
		साक्षरता प्रतिशत	70.89	53.33	62.60
4	रायपुर	साक्षर	124	94	218
		निरक्षर	112	146	258
		कुल	236	240	486
		साक्षरता प्रतिशत	52.54	39.16	44.86
	महायोग	साक्षर	825	609	1434
		निरक्षर	396	549	945
		कुल	1221	1158	2379
		कुल साक्षरता प्रतिशत	67.57	52.59	60.28

सारणी 4.6
सर्वेक्षित जनजाति परिवारों में साक्षरता दर

क्रमांक	जिला	साक्षरता दर		
		पुरूष	महिला	कुल
1	सरगुजा	62.78	44.07	53.85
2	जशपुर	79.83	69.34	74.64
3	कांकेर	70.89	53.33	62.60
4	रायपुर	52.54	39.17	44.85
	कुल (4 जिले)	67.57	52.59	60.28

सारणी 4.7
उम्र समूह अनुसार साक्षरता दर

क्रं.	आयु समूह	साक्षर / निरक्षर	पुरूष	महिला	कुल
1	6–14	साक्षर	255	239	494
		निरक्षर	25	18	43
		कुल	280	257	537
		साक्षरता प्रतिशत	91.07	92.99	91.99
2	15–21	साक्षर	175	151	326
		निरक्षर	34	55	89
		कुल	209	206	415
		साक्षरता प्रतिशत	83.73	73.30	78.55
3	22–28	साक्षर	134	105	239
		निरक्षर	39	71	110
		कुल	173	176	349
		साक्षरता प्रतिशत	77.45	59.66	68.48
4	29–35	साक्षर	105	50	155
		निरक्षर	55	78	133
		कुल	160	128	288
		साक्षरता प्रतिशत	65.62	39.06	53.82
5	36–42	साक्षर	54	31	85
		निरक्षर	66	105	171
		कुल	120	136	256
		साक्षरता प्रतिशत	45	22.79	33.20
6	43–49	साक्षर	35	16	51
		निरक्षर	65	74	139
		कुल	100	90	190
		साक्षरता प्रतिशत	35.00	17.78	26.84
7	50 और अधिक	साक्षर	67	17	84
		निरक्षर	112	148	260
		कुल	179	165	344
		साक्षरता प्रतिशत	37.43	10.30	24.42
	महायोग	कुल साक्षर	825	609	1434
		कुल निरक्षर	396	549	945
		कुल	1221	1158	2379
		कुल साक्षरता प्रतिशत	67.57	52.95	60.28

सारणी 4.8
सर्वेक्षित परिवारों की शिक्षा का स्तर

क्रमांक	शिक्षा का स्तर	पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	बालवाड़ी	7	0.85	4	0.66	11	0.77
2	प्राथमिक	304	36.85	262	43.02	566	39.47
3	माध्यमिक	220	26.27	174	28.57	394	27.47
4	हाईस्कूल	158	19.15	99	16.26	257	17.92
5	हायर सेकण्डरी	96	11.64	49	8.05	145	10.11
6	महाविद्यालय	38	4.60	20	3.28	58	4.05
7	अन्य	02	0.24	01	0.16	03	0.21
	योग	825	100.00	609	100.00	1434	100.00

सर्वेक्षित परिवारों की 63.97 प्रतिशत पुरूष तथा 72.25 प्रतिशत महिलाएं माध्यमिक स्तर तक शिक्षित है । 19.15 प्रतिशत पुरूष तथा 16.26 प्रतिशत महिलाएं हाईस्कूल तथा 11.64 प्रतिशत पुरूष एवं 8.05 प्रतिशत महिलाएं हायर सेकण्डी शिक्षित है । 4.84 प्रतिशत पुरूष तथा 3.44 प्रतिशत महिलाएं महाविद्यालय तथा उच्चस्तर तक शिक्षित है ।

सारणी 4.9
शिक्षा का स्तर, जिला – सरगुजा

क्रमांक	शैक्षणिक स्तर	साक्षर व्यक्ति					
		पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
1	बालवाड़ी	1	0.44	0	0.00	1	0.27
2	प्राथमिक	99	43.80	82	56.55	181	48.79
3	पूर्व माध्यमिक	59	26.11	37	25.52	96	25.87
4	हाईस्कूल	40	17.70	18	12.41	58	15.63
5	हायर सेकण्डरी	23	10.18	8	5.52	31	8.36
6	महाविद्यालय	4	1.77	0	0.00	4	1.08
7	अन्य	0	0.00	0	0.00	0	0.00
	कुल	226	100.00	145	100.00	371	100.00

सारणी 4.10
शिक्षा का स्तर जिला – जशपुर

क्रमांक	शैक्षणिक स्तर	पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	बालवाड़ी	0	0.00	0	0.00	0	0.00
2	प्राथमिक	70	24.56	62	25.62	132	25.05
3	पू. माध्य	66	23.16	67	27.69	133	25.24
4	हाईस्कूल	73	8.07	60	24.79	133	25.24
5	हायर सेकण्डरी	50	17.54	35	14.46	85	16.13
6	महाविद्यालय	25	8.07	17	7.03	42	7.97
	अन्य	01	3.50	01	0.41	02	0.37
	कुल	285	100.00	242	100.00	527	100.00

सारणी 4.11
शिक्षा का स्तर जिला – कांकेर

कमांक	शैक्षणिक स्तर	पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	आंगनवाड़ी	0	0.00	0	0.00	0	0.00
2	प्राथमिक	67	35.26	52	40.62	119	37.42
3	पू. माध्य	62	32.63	50	39.06	112	35.22
4	हाईस्कूल	33	17.37	19	14.06	52	16.35
5	हायर सेकण्डरी	21	11.05	5	3.90	26	8.18
6	महाविद्यालय	6	3.16	2	1.56	08	2.52
	अन्य	01	0.53	0	0.00	01	0.31
	कुल	190	100.00	128	100.00	318	100.00

सारणी 4.12
शिक्षा का स्तर जिला – रायपुर

क्रमांक	शैक्षणिक स्तर	पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	बालवाड़ी	6	4.84	4	4.25	10	4.59
2	प्राथमिक	68	54.84	66	70.21	134	61.47
3	पू. माध्यमिक	33	26.61	20	21.28	53	24.31
4	हाईस्कूल	12	9.68	2	2.13	14	6.42
5	हायर सेकण्डरी	2	1.61	1	1.06	03	1.38
6	महाविद्यालय	3	2.42	1	1.06	04	1.83
	अन्य	0	0.00	0	0.00	0	0.00
	कुल	124	100.00	94	100.00	218	100.00

सारणी 4.13
जिलावार जनजाति साक्षरता दर का तुलनात्मक विवरण

क्रमांक	शिक्षा का स्तर	साक्षरता प्रतिशत				
		सरगुजा	जशपुर	कांकेर	रायपुर	कुल
1	बालवाड़ी	0.27	0.00	0.00	4.59	0.77
2	प्राथमिक	48.79	25.05	37.42	61.47	39.47
3	माध्यमिक	25.87	25.24	35.22	24.31	24.47
4	हाईस्कूल	15.63	25.24	16.35	6.42	17.92
5	हायर सेकण्डरी	8.36	16.19	8.18	1.38	10.11
6	महाविद्यालय	1.08	7.97	2.52	1.83	4.05
7	अन्य	0.00	0.37	0.31	0.00	0.21
	कुल	53.85	74.64	62.60	44.85	100.00

अध्याय 5
स्वास्थ्य

5.1 प्रसव तथा प्रसव सुविधाएं

सर्वेक्षित 544 जनजातीय परिवारों में विगत एक वर्ष की अवधि में 50 गर्भवती माताओं में से 27 माताओं की (54 प्रतिशत) द्वारा गर्भावस्था परीक्षण कराया गया जबकि शेष 46 प्रतिशत माताओं द्वारा गर्भावस्था की जांच नहीं की गई। सर्वेक्षित गर्भवती माताओं में से केवल 36 प्रतिशत माताओं का टीकाकरण किया गया।

46 प्रतिशत प्रसव प्रकरण में प्रसव संस्थागत रूप से तथा 64 प्रतिशत प्रसव प्रशिक्षित नर्सो द्वारा संम्पन्न किया गया ।

प्रसव के दौरान 5 पुरूष तथा 4 महिला शिशुओं की मृत्यु हुई अर्थात प्रसव के समय 18 प्रतिशत शिशुओं की मृत्यु हुई ।

5.2. जन्म के समय शिशु का वजन –

सर्वेक्षित जनजाति परिवारों में जन्म के समय शिशुओं का वजन निम्नानुसार पाया गया –

सारणी 5.1
जन्म के समय शिशु का वजन

कमांक	वजन (किग्रा. में)	शिशु संख्या	प्रतिशत
1	1.5 किग्रा से कम	2	3.84
2	1–5.2	9	17.31
3	2– 2.5	32	61.54
4	2.5 से अधिक	9	17.31
	कुल	52	100.00

5.3. रोगोपचार

जनजाति क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रचार प्रसार के वावजूद पारम्परिक रोग उपचार को अभी भी बड़ी संख्या में अपनाया जा रहा है ।

सर्वेक्षित 544 जनजाति परिवारों में से 71 व्यक्ति (13.05 प्रतिशत) सर्वेक्षित अवधि में बीमारियों से ग्रसित पाये गये इसमें से 56 व्यक्तियों (78.87 प्रतिशत) ने उपचार कराया ।

जिसमें से 39.29 प्रतिशत व्यक्तियों ने योग्यताधारी चिकित्सकों से, 30.36 प्रतिशत व्यक्तियों ने नर्स से, 16.07 प्रतिशत व्यक्तियों ने वैद्य से, 10.71 प्रतिशत व्यक्तियो नें बैगा गुनिया से तथा 3.51 प्रतिशत व्यक्तियों ने निजी चिकित्सक से इलाज किया ।

अध्याय – 6
आवास, भूमि, पशुधन एवं आय

6.1 आवास

आवास व्यवस्था परिवार की आर्थिक स्थिति दर्शाती है । सर्वेक्षित अनुसूचित जनजाति परिवारों की आवासीय स्थिति निम्नानुसार है –

सारणी 6.1
सर्वेक्षित परिवारों की आवासीय स्थिति

कंमाक	आवास के प्रकार	परिवारों की संख्या					
		सरगुजा	जशपुर	कांकेर	रायपुर	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	कच्चा	155	130	110	137	532	97.79
2	अर्धपक्का	00	05	02	01	08	1.47
3	पक्का	00	0	02	02	04	0.74
	योग	155	135	114	140	544	100.00

सर्वेक्षित 544 जनजाति परिवारों में से 97.79 प्रतिशत कच्चे आवास में, 1.47 प्रतिशत अर्धपक्का आवास गृह में तथा मात्र 0.74 प्रतिशत पक्के आवास गृह में निवासरत है ।

सरगुजा जिले के सभी सर्वेक्षित परिवार कच्चे आवासगृह में निवासरत है ।

6.2 भूमिधारिता –

भूमिधारिता परिवार की आर्थिक स्थिति एवं ऋण ग्रस्तता को प्रभावित करती है। सर्वेक्षित 544 अनुसूचित जनजाति परिवारों में से 23.53 प्रतिशत परिवार भूमिहीन है शेष 76.47 प्रतिशत के पास कृषि भूमि है जो निम्नानुसार है :–

सारणी 6.2
भूमिधारिता अनुसार परिवारों का वर्गीकरण

क्रमांक	भूमि एकड़ में	परिवारों की संख्या					
	भूमिधारिता	सरगुजा	जशपुर	कांकेर	रायपुर	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1.1	2.51 एकड़ तक	91	60	40	28	219	40.25
1.2	2.51–5.00	29	58	37	29	153	28.13
1.3	5.01–10.00	01	10	19	60	37	6.80
1.4	10.01–15.00	0	01	2	0	03	0.55
1.5	15.01–25.00	0	0	2	0	02	0.31
1.6	25 एकड़ से अधिक	0	01	0	01	02	0.37
	योग	121 (78.1)	130 (96.2)	100 (87.7)	65 (46.4)	416	76.47
2.	भूमिहीन परिवार	35 (21.9)	05 (3.7)	14 (12.3)	75 (53.6)	128	23.53
3.	कुल सर्वेक्षित परिवार	155 (100.00)	135 (100.00)	114 (100.00)	140 (100.00)	544	100.00

सर्वेक्षित 544 परिवारों में से 76.47 प्रतिशत के पास कृषि भूमि पाई गई है । शेष 23.53 प्रतिशत भूमिहीन है ।

40.25 प्रतिशत परिवारों के पास 2.5 एकड से कम कृषि भूमि है । 28.13 प्रतिशत परिवार के पास 2.5 से 5 एकड तक कृषि भूमि है । 6.8 प्रतिशत परिवार के पास 5 से 10 एकड भूमि तथा कमश 0.31 एवं 0.37 परिवार के पास 15 एकड एवं 25 एकड से अधिक भूमि है ।

6.3 सिंचित एवं असिंचत कृषि भूमि

सर्वेक्षित कृषक परिवारों में उपलब्ध औसत कृषि भूमि प्रति परिवार निम्नानुसार पाया गया –

सारणी 6.3

प्रति परिवार औसत सिंचित एवं असिंचत भूमि – एकड़ में

क्रमांक	विवरण	प्रति परिवार औसत भूमि					
		सरगुजा	जशपुर	कांकेर	रायपुर	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सिंचित	0.00	0.00	0.53	0.16	0.15	5.15
2	असिंचित	1.82	3.26	2.42	3.25	2.76	94.85
3	कुल	1.82	3.26	2.95	3.41	2.76	100.00

सर्वेक्षित 416 कृषक परिवारों के पास औसतन 2.91 एकड कृषि भूमि सिंचित है इसमें से मात्र 5.15 प्रतिशत कृषि भूमि सिंचित तथा 94.85 प्रतिशत परिवार असिंचित भूमि पर कृषि कर रहे हैं । जशपुर एवं सरगुजा जिले के सर्वेक्षित किसी परिवार की भूमि सिंचित नहीं पायी गई ।

6.4 पशुधन

पशुधन आर्थिक स्थिति को प्रभावित करती है । सर्वेक्षित परिवारों में से 70.40 प्रतिशत पशुधन युक्त परिवार है । शेष 29.60 प्रतिशत पशुधन विहीन परिवार हैं । पशुधन युक्त परिवारों में पशुओं की संख्या निम्न तालिका में दर्शित हैं –

सारणी 6.4
पशुधन

कंमाक	पशुधन	संख्या					
		सरगुजा	जशपुर	कांकेर	रायपुर	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	बैल	190	221	180	91	682	53.20
2	गाय	26	71	69	49	215	16.77
3	भैंस/भैंसा	65	22	20	15	122	9.51
4	बकरा बकरी	63	96	53	30	242	18.88
5	सूअर	0	15	06	0	21	1.64
	योग	344	425	328	185	1282	100.00

सर्वेक्षित परिवारों में बैल की संख्या अन्य पशुओं की तुलना में अधिक है । तत्पश्चात बकरी बकरा एवं गायों की संख्या पाई गई ।

सर्वाधिक पशुधन संख्या जशपुर जिले के जनजातियों में तथा न्यूनतम संख्या रायपुर जिले के सर्वेक्षित परिवारों में पायी गई ।

6.5 पक्षीधन

सर्वेक्षित परिवारों में से 30.69 परिवार मुर्गे–मुर्गियों का पालन कर रहे हैं । अन्य पक्षीधन नहीं पाया गया । सर्वेक्षित परिवारों में जिलावार मुर्गा–मुर्गियों की संख्या निम्नानुसार पायी गई –

सारणी – 6.5
मुर्गा–मुर्गियों की संख्या

कंमाक	जिला	कुल सर्वेक्षित परिवार	पक्षीयुक्त परिवार की संख्या	प्रतिशत	मुर्गियों की संख्या	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7
1	रायपुर	140	2	1.20	37	4.99
2	कांकेर	114	55	32.93	218	29.38
3	जशपुर	135	96	57.49	415	55.93
4	सरगुजा	155	14	8.38	72	9.70
	योग	544	167	100.00	742	100.00

6.6 आय –

जनजातियों की आय का प्रमुख स्त्रोत कृषि, वानिकी तथा मजदूरी है – भूमि के प्रकार, उत्पादकता तथा सिंचाई सुविधाओं पर आय की मात्रा निर्भर है । वनोपज संग्रहण भी जनजातियों की आय का एक अतिरिक्त पारम्परिक स्त्रोत है, जो कि वन विहीन एवं सामान्य क्षेत्र के लोगों को उपलब्ध नहीं हो पाता है।

आय की पर्याप्तता या कमी आर्थिक जीवन को प्रभावित करती है । यदि व्यय से आय अधिक हो तो बचत आय का सरलता से आर्थिक उन्नति के लिए निवेश किया जा सकता है तथा आय व्यय से कम हो तो आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ऋण लिया जाता है । विवके पूर्ण ऋण आय व्यय को सन्तुलित कर सकता है ।

कुछ जनजाति परिवारों में आय से व्यय आंशिक रूप से कम होता है किन्तु यह बचत आर्थिक रूप से बहुत उपयोगी नहीं होता है, क्योंकि ऐसे परिवारों की वस्तुतः आय की कम होती है तथा जनजातियों की न्यून आवश्यकताओं के कारण सम्यक व्यय में कमी होती है । अच्छी आय तथा अच्छी सम्यक बचत ही निवेश के लिये उपयोगी हो सकती है ।

सर्वेक्षित परिवारों का औसत वार्षिक आय निम्न सारणी में प्रदर्शित है–

सारणी 6.6
प्रति परिवार औसत वार्षिक आय (रूपये में)

क्रमांक	स्त्रोत	प्रति परिवार औसत वार्षिक आय रूपये में					
		रायपुर	कांकेर	जशपुर	सरगुजा	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	कृषि	2903	4255	3329	3371	3425	34.46
2	कृषि मजदूरी	1671	2389	1430	1549	1727	17.38
3	अन्य मजदूरी	3983	220	1516	1547	1888	19.00
4	वानिकी	1524	1023	1229	294	995	10.01
5	व्यवसाय	0	0	529	0	131	1.32
6	नौकरी	707	0	1807	918	892	8.98
7	पशुधन	424	544	655	458	516	5.19
8	कुशल कारीगरी	85	407	29	665	304	3.06
9	मछली पकड़ना	0	0	238	0	59	0.60
	योग	11301	8840	10766	8804	9941	100.00

सर्वेक्षित परिवारों की कृषि से औसत वार्षिक आय 34.46 प्रतिशत, अन्य मजदूरी से 19.00 प्रतिशत, कृषि मजदूरी से 17.38 प्रतिशत, नौकरी से 8.98 प्रतिशत, वानिकी से 10.01 प्रतिशत, पशुधन से 5.19 प्रतिशत कुशल कारीगरी से 3.06 प्रतिशत, व्यवसाय से 1.32 प्रतिशत तथा मछली पकड़ने से 0.60 प्रतिशत प्राप्त करता है ।

6.7 प्रति परिवार वार्षिक व्यय

सर्वेक्षित अनुसूचित जनजाति परिवारों में प्रति परिवार वार्षिक व्यय के मदवार विवरण निम्नानुसार है :–

सारणी – 6.7
मदवार प्रति परिवार औसत वार्षिक व्यय

कंमाक	व्यय के मद	प्रति परिवार व्यय – रूपये में					
		रायपुर	कांकेर	जशपुर	सरगुजा	कुल	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	भोजन	6302	6804	6549	6559	6544	65.01
2	वस्त्र	637	796	914	657	677	6.82
3	आवास	309	499	291	447	388	3.91
4	जन्म, विवाह, मृत्यु संस्कार	490	604	301	1271	679	6.84
5	धार्मिक कार्य	217	225	295	264	247	2.44
6	चिकित्सा	282	420	306	301	326	3.22
7	शिक्षा	266	925	289	276	437	4.41
8	मद्यपान	269	385	359	409	332	2.94
9	आभूषण बर्तन	303	414	371	344	355	3.58
10	अन्य	59	107	70	94	82	0.83
	कुल	9139	11182	9347	10627	10072	100.00

तालिका में अधिकांशतः औसत वार्षिक व्यय भोजन में 65.01 प्रतिशत खर्च किया जाता है । इसके बाद क्रमशः वस्त्र में 6.82 प्रतिशत, सामाजिक कार्य–जन्म मृत्यु, विवाह में 6.84 प्रतिशत, आभूषण एवं बर्तन में 3.58 प्रतिशत शिक्षा में 4.41 प्रतिशत, चिकित्सा में 3.22 प्रतिशत, आवास में 3.91 प्रतिशत, धार्मिक कार्य में 2.44 प्रतिशत, मद्यपान में 2.94 प्रतिशत तथा अन्य में 0.83 प्रतिशत व्यय किया जाता है ।

सर्वेक्षित जनजाति परिवारों की औसत प्रति परिवार आय एवं व्यय का जिलावार विवरण निम्नानुसार है :–

सारणी 6.8

प्रति परिवार औसत वार्षिक आय एवं व्यय (रूपये में)

कमांक	जिला	आय	व्यय
1	सरगुजा	8804	9139
2	जशपुर	10766	11182
3	कांकेर	8840	9347
4	रायपुर	11301	10627
	कुल औसत	9941	10072

सर्वेक्षित जनजाति परिवारों की औसत वार्षिक आय की तुलना में औसत वार्षिक व्यय आंशिक रूप से अधिक है । व्यय आधिक्य के कारण भी जनजाति परिवारों को ऋण की आवश्यकता होती है । सभी परिवारों तथा क्षेत्रों में आय की तुलना में एक समान व्यय आधिक्य नहीं होता है ।

अध्याय –7
आधुनिक सुविधाएँ तथा विकास संबंधी विचार

7.1 अनुसूचित जनजातियों को उपलब्ध आधुनिक सुविधाएं तथा विकास संबंधी विचार

भोजन, वस्त्र, आवास की प्राथमिक आवश्यकताओं की पूर्ति के पश्चात मनुष्य अनेक सुख सुविधाओं की मांग करता है तथा आधुनिक सुख सुविधाओं को उपयोग करने में भी वह पीछे नहीं रहना चाहता है । मानव विकास के संकेतक के रूप में आधुनिक सुविधाओं का जनजाति परिवारों में उपयोग की स्थिति निम्नानुसार है –

सारणी – 7

सर्वेक्षित जनजाति परिवारों में आधुनिक सुविधाओं का उपयोग

क्रमांक	आधुनिक सुविधाएं	आधुनिक सुविधाओं का उपयोग करने वाले परिवारों का प्रतिशत				
		सरगुजा	जशपुर	कांकेर	रायपुर	प्रतिशत
1	2	4	5	6	7	8
1	जीपकार	–	–	–	–	–
2	मोपेड/मोटर सायकल	1.29	0.74	2.63	0.71	1.10
3	रेडियो	–	0.74	7.02	0.71	1.83
4	टेलीविजन	1.93	–	7.89	0.71	2.38
5	आधुनिक फर्नीचर	0.64	–	3.51	2.14	1.47
6	टेलीफोन	–	–	0.88	–	0.18
7	मोबाईल	1.29	0.74	2.63	0.71	1.10

मानव विकास में शिक्षा, सामाजिक आर्थिक विकास, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा आधार भूत संरचना विकास का बहुत अधिक महत्व है ।

7.2 सर्वेक्षित जनजाति परिवार के संबंध में 54.01 प्रतिशत लोगों ने आर्थिक विकास की वर्तमान दर से संतुष्टी प्रकट की है । 43.18 प्रतिशत लोगों ने यह विचार व्यक्त किया है अर्थात विकास की गति धीमी है। 3.81 प्रतिशत व्यक्तियों की राय में जनजातियों का आर्थिक विकास नहीं हुआ है ।

कांकेर जिले के जनजातीय व्यक्तियों ने आर्थिक विकास से सर्वाधिक सन्तुष्टि तथा जशपुर जिले में व्यक्तियों ने न्यूनतम सन्तुष्टि होना बताया है । कांकेर जिले राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अर्न्तगत रोजगार के अच्छे अवसर प्राप्त है ।

7.3 शिक्षा क्षेत्र में 22.83 प्रतिशत व्यक्तियों ने विकास होना तथा इतने ही व्यक्तियों (22.83 प्रतिशत) ने शिक्षा क्षेत्र में प्रगति नहीं होना बताया है । शेष 54.34 प्रतिशत व्यक्तियों ने आदिवासी शिक्षा की गति धीमी होना बताया है ।

शिक्षा क्षेत्र में हो रहे विकास से कांकेर जिले से सर्वाधिक लोगों (71.33 प्रतिशत) ने संतुष्टी व्यक्त की है कांकेर जिले में शैक्षणिक सुविधाएं बढ़ी हैं। न्यूनतम संतुष्टी जशपुर जिले के लोगों ने व्यक्त किया है (13.68 प्रतिशत) ।

7.4 स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यकमों से 39.44 प्रतिशत लोगों ने संतुष्टी तथा 17.91 प्रतिशत ने असंतुष्टि प्रकट की है , शेष 42.65 प्रतिशत लोगों ने स्वास्थ्य कार्यकमों के प्रसार तथा कियान्वयन की गति को धीमा होना बताया है ।

स्वास्थ्य कार्यकमों से कांकेर जिले में अधिकतम लोगों ने (38.58 प्रतिशत) संतुष्टि तथा जशपुर जिले से (13.68 प्रतिशत) न्यूनतम लोगों ने असंतुष्टी प्रकट की है ।

कांकेर जिले में स्वास्थ्य केन्द्रों /उपकेन्द्रों की संख्या में वृद्धि हुई है तथा सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा कार्यकम का विस्तार हुआ है ।

7.5 अधोसंरचना विकास

विगत 5 वर्षो में पूर्व की तुलना में सड़क, पानी, बिजली की सुविधाओं में बहुत अधिक वृद्धि हुई है । रायपुर जिले में अधोसंरचना विकास का कार्य उच्चतम स्तर पर तथा जशपुर जिले में निम्न स्तर पर हुआ है ।

अध्याय – 8
निष्कर्ष एवं सुझाव

संयुक्त राष्ट्र संघ विकास कार्यकम (यू. एन. डी. पी.) अन्तर्गत प्रथम मानव विकास प्रतिवेदन 1990 में प्रकाशित किया गया तथा यह माना गया कि लोग राष्ट्र की वास्तविक संम्पत्ति है अतः मानव विकास का लक्ष्य लोगों को दीर्घायु, सुखी एवं कियाशील जीवन जीने योग्य बनाना है । मानव विकास के विभिन्न पहलुओं को मापने के लिये अलग अलग मानव विकास संकेतकों का उपयोग किया गया है ।

संभवतः यह प्रथम अवसर है जब मानव विकास संकेतक को राज्य/क्षेत्र के साथ रखकर स्वास्थ्य अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिये विकास संकेतक पृथक से प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है ।

छत्तीसगढ राज्य में अनुसूचित जनजातियों के लिये महत्वपूर्ण मानव विकास संकेतक निम्नानुसार है :–

क्रमांक	संकेतक	छ.ग. अनु. ज. जा.
1	प्रदेश का भौगोलिक क्षेत्रफल	135133 वर्ग किमी
2	आदिवासी उपयोजना क्षेत्र का प्रदेश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल से प्रतिशत	65.12 प्रतिशत
3	प्रदेश की कुल जनसंख्या	208.33 लाख
4	प्रदेश की कुल जनजाति जनसंख्या	66.16 लाख
5	प्रदेश की कुल अनुसूचित जनजाति जनसंख्या का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	31.76 प्रतिशत
6	जनसंख्या घनत्व (प्रति वर्ग किमी 2001)	154
7	जनसंख्या वृद्धि दर (1991–2000)	18.27
8	लिंग अनुपात 2001	975
9	साक्षरता दर कुल 2001	64.4
10	शिशु मृत्युदर प्रति 1000 जन्म पर	8.1
11	जन्म दर प्रति 1000	26.9
12	प्रतिव्यक्ति बोया गया मुल क्षेत्र	0.25 हेक्टेयर
13	सडकों की कुल लंबाई	45288 किमी

14	कुल बसाहटें (मार्च 2007)	72775
15	पेयजल पूर्ण रूप से उपलब्ध	64836
16	पेयजल आंशिक रूप से उपलब्ध	5358
17	पेयजल श्रोत विहीन बसाहटें	2581
	शुद्ध सिंचित क्षेत्र 2007	27.16